1. **"मन की मन ही माँझ रही" पंक्ति का आशय क्या है?**
   A. गोपियाँ आनंद में डूबी हैं
   B. गोपियाँ अपनी पीड़ा किसी से नहीं कह पा रही हैं
   C. गोपियाँ उद्धव से प्रसन्न हैं
   D. गोपियाँ संतोष में हैं (B)

व्याख्या : इस पंक्ति से स्पष्ट है कि गोपियाँ अपने हृदय की विरह वेदना किसी से कह नहीं पातीं और भीतर ही भीतर जल रही हैं।

2. **"अवधि अधर आस आवन की" का भाव क्या है?**
   A. गोपियों की आशा समाप्त हो गई है
   B. गोपियाँ कृष्ण के आने की प्रतीक्षा कर रही हैं
   C. गोपियाँ उद्धव की प्रतीक्षा कर रही हैं
   D. गोपियाँ योगियों की संगति चाहती हैं (B)

व्याख्या : यहाँ गोपियाँ कृष्ण के आने की आशा लगाए बैठी हैं और उसी में दुख-सुख अनुभव कर रही हैं।

3. **"हिरहिहिन हिरह दही" का सही अर्थ क्या है?**
   A. विरहिणी आनंद में है
   B. विरहिणी ने भोजन छोड़ दिया है
   C. विरहिणी दुख और पीड़ा से जल रही है
   D. विरहिणी ने संसार त्याग दिया है (C)

व्याख्या : इस पद में गोपियों की स्थिति विरहाग्नि में जलने जैसी बताई गई है।

4. **उद्धव के योग-संदेश पर गोपियों की प्रतिक्रिया क्या है?**
   A. वे ध्यान से सुनती हैं
   B. वे उसे खुशी से स्वीकार करती हैं
   C. वे उसे सुनकर और दुखी हो जाती हैं
   D. वे तुरंत उसे मान लेती हैं (C)

व्याख्या : गोपियाँ उद्धव का योग-ज्ञान सुनकर और अधिक दुखी होती हैं क्योंकि उनका मन केवल कृष्ण में है।

5. **"चहियत हुतीं गुहारि जतहिं तैं, उत तैं धरिही" में 'धरिही' का अर्थ है—**
   A. योग-ज्ञान रूपी धारा
   B. नदी की धारा
   C. आँसुओं की धारा
   D. पसीने की धारा (A)

व्याख्या : यहाँ 'धरिही' शब्द से तात्पर्य उद्धव द्वारा दिया गया योग-ज्ञान है, जिसे गोपियाँ व्यर्थ मानती हैं।

6. **गोपियाँ उद्धव से किस प्रकार की अपेक्षा रखती थीं?**
   A. वे योग और ज्ञान की बातें सुनना चाहती थीं
   B. वे कृष्ण का संदेश सुनना चाहती थीं
   C. वे लोक-धर्म का उपदेश चाहती थीं
   D. वे उद्धव का साथ चाहती थीं (B)

व्याख्या : गोपियाँ उद्धव से केवल कृष्ण के आने का समाचार सुनना चाहती थीं, न कि योग-ज्ञान।

7. **"सूरदास, अधीर धरिहिं क्यों, मरजादा न लही" पंक्ति किस भावना की ओर संकेत करती है?**
   A. आशा
   B. निराशा
   C. साहस
   D. करुणा (B)

व्याख्या : इस पंक्ति में गोपियों की निराशा और धैर्य टूटने की स्थिति व्यक्त होती है।

8. **गोपियों ने उद्धव को क्यों अस्वीकार कर दिया?**
   A. वह कृष्ण की निंदा कर रहे थे
   B. वह केवल ज्ञान की बातें कर रहे थे
   C. वे गोकुल के निवासी नहीं थे
   D. वे गोपियों को धोखा दे रहे थे (B)

व्याख्या : गोपियाँ उद्धव के उपदेशों को व्यर्थ मानती हैं क्योंकि उनका हृदय केवल कृष्ण से जुड़ा हुआ है।

9. **"मन की मन ही माँझ रही" से गोपियों की कौन-सी विशेषता उजागर होती है?**
   A. सहनशीलता B. विवेक
   C. निष्ठा और गहन प्रेम D. साहस (C)

व्याख्या : यह पंक्ति दर्शाती है कि गोपियों का प्रेम और निष्ठा इतनी गहरी है कि वे अपने विरह को भीतर ही सह रही हैं।

10. **इस पद से हमें कौन-सा जीवन-संदेश मिलता है?**
    A. दुख को दबाकर रखना चाहिए
    B. योग और ज्ञान से जीवन सुखी होता है
    C. सच्चे प्रेम में वियोग की पीड़ा भी गहन होती है
    D. उपदेश से मन को समझाना चाहिए (C)

व्याख्या : यह पद बताता है कि सच्चा प्रेम बहुत गहरा होता है और उसमें वियोग की पीड़ा भी असहनीय हो जाती है।